Reporting a Research in A.P.A Style

समस्या का चुनाव कर लेने और Research की सारी प्रक्रियाएं समाप्त कर लेने के बाद research का अन्तिम step report तैयार करना है। किसी भी research का उद्देश्य केवल research समस्या का समाधान देना ही नहीं होता, बल्कि समाधान से आम जगत को तथा research के methodological details से शिक्षा जगत को जानकारी देना होता है। Research की reporting का मुख्य उद्देश्य Reader को यह भी बतलाना होता है कि कौन सी समस्या का अध्ययन किया गया है, समस्या समाधान के लिए कौन से methods का प्रयोग किया गया है, अध्ययनों से क्या result प्राप्त हुए हैं और result से क्या conclusion निकाला जा सकता है।

MOHSIN के अनुसार —

"The purpose of the reporting is to communicate to the reader what the investigator intended to do, how he did what he intended to do, what was the outcome, and what conclusion he drew from the outcome."

इस प्रकार स्पष्ट है कि research report तैयार करने के कई उद्देश्य होते हैं। कुछ प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं :—

(1) **To present a document of knowledge :—**

हम जानते हैं कि research के द्वारा अध्ययन करने वाला किसी विशेष ज्ञान की प्राप्ति करता है। इसमें समय, धन और परिश्रम भी लगता है। इन सब के बावजूद अगर अध्ययनकर्ता प्राप्त result को केवल अपने तक ही सीमित रखे तो इसका कोई अर्थ नहीं रह जाता। अतः उसे अपने result का एक लिखित document तैयार करना होता है; जिससे कि वह science की एक धरोहर के रूप में सरलता से सुरक्षित रखी जा सके।

(2) **For the extension of knowledge :—** Research

के सिलसिले में यह भी पता चलता है कि research विषय से सम्बन्धित अन्य कौन-2 सी समस्याएं हैं, जिनके विषय में आगे और गहन अध्ययन किया जा सकता है। Research की reporting करते समय researcher ऐसी समस्याओं की ओर संकेत करता है। इस प्रकार reporting का उद्देश्य research के नए क्षेत्रों से अवगत कराकर knowledge को बढ़ाना होता है।

③ **To present the results of the investigation for others information :—** reporting का उद्देश्य खोज से लोगों को अवगत कराना भी होता है। यह काम कई कारणों से आवश्यक होता है — (i) कुछ Research सरकार द्वारा चलाए जाते हैं और जब तक उनकी reporting तैयार न हो जाए योजना नहीं बन पाती है। (ii) कभी-2 अध्ययन के दौरान कुछ ऐसे दिलचस्प result अध्ययनकर्ता को मिल जाते हैं जिनकी reporting करके वह गौरव प्राप्त करता है। (iii) दूसरे लोगों के अध्ययन में सहायता एवं जिन लोगों ने अध्ययन में किसी भी प्रकार की सहायता दी है, कि जानकारी के लिए भी reporting आवश्यक है।

④ **To explain the actual conditions involved :—** Research report का उद्देश्य research के result को इस प्रकार प्रस्तुत करना है कि अध्ययन विषय के विभिन्न पक्षों की वास्तविकताएं स्वतः ही प्रकट हो जाएं और report को पढ़ने वाला व्यक्ति उनमें अन्तर्निहित वास्तविक स्थिति को स्पष्ट रूप में समझ सके।

⑤ **Test of Validity —** Research की reporting कर देने से वह result सार्वजनिक सम्पत्ति हो जाती है। जिससे किसी को भी result पर शक हो, वह पुनः उसी विषय पर research करके result की जाँच कर सकता है। इससे research की reliability एवं validity का पता चलता है। जाँच करने के बाद या तो पहले वाले अध्ययन की वैधता साबित होती है या result को तथ्यपूर्ण रूप से गलत साबित किया जाता है। दोनों ही हालत में science की इज़्ज़त बढ़ती है।

Research की reporting निम्नलिखित

तीन रूपों में की जाती है —
(i) In the form of Research article.
(ii) In the form of Thesis.
(iii) In the form of Books.

वर्तमान संदर्भ में हमारा विवेचन research article के रूप में report writing पर केन्द्रित होगा। Research की reporting में कई steps होते हैं। इन सभी steps को निम्नलिखित भागों में बाँटा जा सकता है —

① Research title :— सबसे पहले research की reporting करते समय एक title का वर्णन करना पड़ता है, जिसपर research किया गया है। title के द्वारा reader को journal में से article खोजने में सहायता मिलती है। Reader उसी article पर अपना ध्यान केन्द्रित करता है, जिसमें वह interested है। याद रहे, title को बहुत ही संक्षिप्त होना चाहिए एवं समस्या को स्पष्ट करता हुआ होना चाहिए। MOHSIN के अनुसार — " The title should be a sort of phrase indicating clearly the main issue tackled in the research."

② Introduction :— इसके अन्तर्गत Research area से सम्बन्धित previous literature की बात की जाती है। साथ ही Research की समस्या, अध्ययन का उद्देश्य, Hypothesis का निर्माण आदि की स्पष्ट चर्चा रहती है। कभी-2 Research exploratory nature का होता है। ऐसी हालत में, जहाँ उस area में पहले से कोई hypothesis बनी नहीं रहती, Researcher previous literature के आधार पर या common sense के आधार पर hypothesis का निर्माण करता है।

③ Methodology :— Methodology को "Structure of research" या "plan of the study" भी कहा जाता है। सच पूछें तो यह भाग किसी भी research का "Blue print" है। जब methodology स्पष्ट रहती है तो Researcher को काम

Scanned with CamScanner

करने में काफी आसानी होती है। इसके अन्तर्गत Sample एवं Sampling method, test materials used, Design of research, Procedure of research आदि की स्पष्ट चर्चा रहती है। हर Researcher शुरू में ही इस बात का वर्णन करता है कि उसके research का sample क्या होगा, किस method से sample drawn किया जाएगा इत्यादि। इसमें sample के स्वरूप का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया जाता है तथा data collection के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले विभिन्न tests एवं instruments की चर्चा की जाती है। इससे यह बात स्पष्ट होती है कि प्रयोग में लाए गए tests का निर्माण किसने किया, उसमें कितने items हैं, उनकी relia-bility एवं validity coefficients क्या है, इत्यादि। methodology में research के design की भी चर्चा स्पष्ट रूप से की जाती है, क्योंकि research के data collection की प्रक्रिया research के design पर ही आधारित होती है। methodology के भीतर इस बात का भी जिक्र किया जाता है कि data किस प्रकार collect किया जाएगा तथा उसे किस प्रकार analyse किया जाएगा।

④ <u>Result and Discussion:</u>—

इस भाग में data के analysis के आधार पर प्राप्त results को दर्शाया जाता है। आजकल social sciences में कुछ लोग qualita-tive interpretation पर अधिक बल देते हैं तो कुछ लोग quantitative nature पर। यह मुद्दा अभी भी विवादास्पद ही कहा जाएगा।

Discussion में previous literature को मद्देनज़र रखकर ~~[illegible]~~ उपलब्ध परिणामों को discuss किया जाता है। कभी-2 वर्तमान research को previous research support करता है और कभी-2 reject। पहली स्थिति में Researcher के सामने कोई समस्या नहीं रहती, लेकिन दूसरी हालत में उसे यह साबित करना होता है कि क्यों इस प्रकार का निष्कर्ष आया है।

Scanned with CamScanner

किसी भी research report का discussion वाला भाग ही जान होता है, जिसके अभाव में research result का कोई महत्व नहीं रह जाता।

⑤ <u>Summary and conclusion</u> :— इसके अंतर्गत research report को summarize किया जाता है, ताकि कोई भी व्यक्ति एक ही झलक में सारी बातें पढ़कर समझ जाए। साथ ही साथ इसमें research को conclude भी किया जाता है। यह conclusion qualitative और quantitative दोनों ही प्रकार के हो सकते हैं। JAHODA and etal. के अनुसार — "It is customary to conclude with a very brief summary, restating in barest outline the problem, the procedures, the major findings and the major conclusions from them."

⑥ <u>References</u> :— इसके अन्तर्गत वैसे source materials की चर्चा अपेक्षित होती है, जिसे Researcher अपने report तैयार करने के सिलसिले में consult करता है। References का उल्लेख कर देने से बाद के researcher को काफी सुविधा होती है। American Psychological Association (APA) ने references report करने के एक विशेष style का वर्णन किया है। जैसे, यदि किसी researcher ने अपने research में KERLINGER and KAYA (1959) के 'Attitudes toward education scale' के predictive validity की चर्चा की है, तो references में इसका विवरण निम्नलिखित ढंग से देना चाहिए —

F. Kerlinger and E. Kaye, The predictive validity of scales constructed to measure attitudes toward education. Educational and Psychological Measurement, 1959; XIX, 305-317.

स्पष्ट है कि Research की reporting

Scanned with CamScanner

तैयार करना एक कठिन एवं उपयोगी काम है। इसमें training के साथ-2 patience और practice की भी ज़रूरत होती है। ऊपर से देखने में तो यह काम आसान लगता है, लेकिन वास्तव में ऐसी बात नहीं। अन्त में, जैसाकि GOODE and HATT लिखते हैं—

"It seems clear that a report could be simple to write, since it is merely an exposition of the question asked, the techniques used to answer it, and the answers which were finally developed. Actually, it is rarely so."

[signature]